सन्दर्भ ग्रन्थ एवं पाद टिप्पणी

1. शर्मा, आर0एस0, शूद्रों का प्राचीन इतिहास, दिल्ली, 1979 तथा भारतीय सामन्तवाद, दिल्ली, 1973। भारतीय एवं पाश्चात्य सामन्ती– ओमप्रकाश का 'सामन्ती राज्य व्यवस्था का विकासात्मक अध्याय जिसे उन्होंने सुस्मिता पाण्डे एवं विवेकदत्त झा के साथ सह लेखक के रूप में राजनीतिक इतिहास तथा संस्थाएं (550 ई0 से 1200ई0 तक) भोपाल, 1990 नामक ग्रन्थ में प्रकाशित किया है।
2. कौसम्बी, डी0डी0, प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता (अनु0) गुणाकर मूले, दिल्ली, 1993, पृ0 188 तुलनीय–शर्मा, आर0एस0, प्रारम्भिक भारत का आर्थिक और सामाजिक इतिहास, दिल्ली, 1993, पृ051
3. शर्मा, आर0एस0 शूद्रों का प्राचीन इतिहास, पृ0 146–149 तथा पृ0 164
4. अर्थशास्त्र, 2.1
5. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 146–147
6. यादव, बी0एन0एस0, 'कलियुग के वर्णन और समाज का प्राचीन काल से मध्यकाल में संक्रमण, इतिहास अंक 1, दिल्ली 1992, पृ0 68
7. ओमप्रकाश, कन्सेप्चुअलाईजेशन ऐण्ड हिस्ट्री इन अर्ली इण्डियन सोशियो–इकोनामिक स्टडीज, इलाहाबाद, 1992, पृ0 49–51
8. ओमप्रकाश एवं अन्य, राजनीतिक इतिहास तथा संस्थाएं, पृ0 208
9. ऋग्वेद, 10.90
10. काणे, पी0बी0, धर्मशास्त्र का इतिहास, भाग 1, लखनऊ, 1980, पृ0 114

11. गौतम धर्मसूत्र, 10.1–3, 7, 50

    अपस्तम्बधर्मसूत्र, 2.5, 10.5–8

    बौधायन धर्मसूत्र 1.10.′2–5

    वशिष्ठ धर्मसूत्र, 2.13–19

    मनुस्मृति, 1.88–90, 10.75–76

12. आपस्तम्बधर्मसूत्र, 1.1′.1.7–8

13. पाणिन, 2.4.10, तुलनीय–याज्ञवल्क्य, 1.66

14. ऐसे कार्यों को उन्हें अपनाने की छूट सिर्फ आपत्तिकाल में ही प्राप्त थी। देखिए–काणे, पी0वी0, पूर्वो0, पृ0 146–147

15. ऋग्वेद, 8.56.3, 8.5.38, 8.19.36

    तैत्तिरीय संहिता 7.5.10.1, 2.2.6.3

    वृहदारण्यकोपनिषद 4.4.23

    छान्दोग्योपनिषद, 7.24.2

16. काणे, पी0वी0, पूर्वो0

17. द्वारा उद्धृत शर्मा, आर0एस0, प्राचीन भारत का आर्थिक और सामाजिक इतिहास, पृ0 52

18. वही।

19. महाभारत, 3.188.19

20. बन्धोपाध्याय, एन0सी0, कात्यायन मत संग्रह, कलकत्ता, 1928, पृ0 42, श्लोक 424

21. अर्थशास्त्र, 1.3

22. विष्णु पुराण, 6.1.36

23. अपस्तम्बधर्मसूत्र 2.2.3.1 तथा 2.2.3.4

24. वही

25. मनुस्मृति, 3.152

26. वही, 3.181

27. वही, 3.153

28. वही, 3.153 तथा 3.156

29. वही

30. वही, 3.154

31. वही

32. वही, 3.158

33. वही

34. वही

35. वही, 3.159

36. वही

37. वही, 3.160

38. वही

39. वही, 3.162

40. वही

41. तैत्तिरीय उपनिषद् में अवश्वमेघ यज्ञ के समय ब्राह्मण को बीणा बजाते हुए दिखाया गया है। विस्तृत विवरण के लिए द्रष्टव्य काणे, पी0वी0, पूर्वो0, पृ0 112 इसके अतिरिक्त ब्राह्मणों की क्षत्रियोचित एवं वैश्योचित

कर्मों को करने की सलाह गौतम, मनु, याज्ञवल्क्य, अग्नि, वशिष्ठ तथा नारद आदि ने भी दी है, देखिए–काणे, पी0वी0, पूर्वो0, पृ0 147

42. मनुस्मृति, 8.338

43. वही, 8.268

44. वही, 9.149–150

45. वही, 10.82

46. वही, 10.90

47. वही, 7.75

48. अर्थशास्त्र, 3.13

49. हरहा अभिलेख इसका प्रमाण प्रस्तुत करता है। देखिए–हरहा अभिलेख–उपाध्याय, वासुदेव, प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन, दिल्ली, 1961

50. बन्धोपाध्याय, एन0सी0, पूर्वो0

51. विस्तृत अध्ययन के लिए द्रष्टव्य–द्विवेदी, लवकुश, 'पूर्वमध्यकालीन बुन्देलखण्ड में युद्ध दासता' (इसका विस्तृत विवरण इसी शोध प्रबन्ध के तृतीय अध्याय में दिया गया है)।

52. अर्थशास्त्र, 1.3

53. स्कन्द पुराण, 3.2.39.291

54. यादव, बी0एन0एस0, पूर्वो0, पृ0 67

55. ओमप्रकाश एवं अन्य, पूर्वो0, पृ0 207

56. यादव, बी0एन0एस0, सोसाइटी एण्ड कल्चर इन नादर्न इण्डिया इन द ट्वेल्थ सेन्चुरी ए0डी0, इलाहाबाद, 1973, पृ0 136–200

57. ओमप्रकाश एवं अन्य, पूर्वो0, पृ0 239

58. आर0एस0 शर्मा सहित प्रायः सभी मार्क्सवादी इतिहासकार इसी अवधारणा को परिपुष्ट करते हुए देखे जा सकते हैं।

59. शर्मा, आर0एस0, शूद्रों का प्राचीन इतिहास, पृ0 153

60. मनुस्मृति

61. अर्थशास्त्र में राज्य और दासता की अवधारणा : यूनानी चिन्तन के परिप्रेक्ष्य में, पूर्वो0, पृ0 5

62. अर्थशास्त्र, 9.2.2, 1–24

63. द्वारा उद्धृत–गैरोला, वाचस्पति, कौटिलीय अर्थशास्त्र, वाराणसी, 1977, पृ0 87

64. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0

65. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में (3.13) दास कल्प में प्राप्त विवरणों को आधार बनाकर आर0एस0 शर्मा ने यह तर्क उपस्थित किया है। देखिए–शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 158–159

66. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 146

67. वही, पृ0 96–97

68. वही, पृ0 158–159

69. वही

70. वही, पृ0 159

71. अर्थशास्त्र, 3.13

72. वही

73. वही

74. वही, 3.1 तथा 4.13

75. द्वारा उद्धृत–बोस, ए0एन0, सोशल एण्ड रूरल इकोनामी आफ नार्दर्न इण्डिया, कलकत्ता, 1967, पृ0 199–200

76. अर्थशास्त्र, 2.24 विस्तृत विवरण के लिए देखिए–गैरोला, वाचस्पति, पूर्वो0, पृ0 46

77. अर्थशास्त्र, 2.12

78. वही, 2.24

79. वही, 1.11

80. आर0एस0 शर्मा एवं बी0एन0एस0 यादव ऐसे विद्वानों की कोटि में रखे जा सकते हैं। विस्तृत अध्ययन के लिए दोनों विद्वानों के पूर्वो0 ग्रन्थ।

81. अर्थशास्त्र, 1.3

82. वही

83. वही, 3.13

84. इण्डिया, 10, मेगस्थनीज, 210, द्वारा उद्धृत–कोसम्बी, डी0डी0, ऐन इण्ट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ इण्डियन हिस्ट्री, बम्बई, 1975, पृ0 196

85. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 145

86. वही, पृ0 147

87. वही, पृ0 144

88. वही, पृ0 147

89. अर्थशास्त्र, 2.1

90. कौटिल्य ने ऐसी दशा में उस जमींन को वापस लेकर ग्राम मृतकों एवं अन्य लोगों को बटाई पर देने की बात की है। देखिए–अर्थशास्त्र, पूर्वो0

91. अर्थशास्त्र, 7.11

92. कोसम्बी, डी0डी0, प्राचीन काल की संस्कृति और सभ्यता, पृ0 188

93. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 149

94. अर्थशास्त्र, 2.35

95. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 148

96. हिन्डेस, बैरी तथा हर्स्ट, पाल, क्यू0, प्रि–कैपिटलिस्ट मोड्स ऑफ प्रोडक्शन, बोस्टन, 1977

97. एण्डरसन, पेरी, पैसेजेज फ्राम एण्टीक्विटी टू फ्यूडलिज्म, लन्दन, 1977

98. ओमप्रकाश, कन्सेप्चुअलाइजेशन एण्ड हिस्ट्री इन अर्ली इण्डियन सोशियो इकोनामिक स्टडीज।

99. ओमप्रकाश एवं अनय, राजनीतिक इतिहास तथा संस्थाएं, पृ0 207–208

100. हिन्डेस, बैरी एवं हर्स्ट, पाल0, क्यू0, पूर्वो0, पृ0 125–177

101. वही, विस्तृत अध्ययन के लिए देखिए–डेबिस, डी0बी0, द प्राब्लम ऑफ स्लेवरी इन वेस्टर्न कल्चर, पेंगुइन बुक्स, 1970, पृ0 53–56

102. वही

103. वही

104. वही, पृ0 126–127

105. वही

106. वही, पृ0 127

107. मार्क्स, कार्ल, कैपिटल, भाग 2, पृ0 478–479

108. वही

109. अर्थशास्त्र, 2.1

110. कोसम्बी, डी0डी0, ऐन इन्ट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ इण्डियन हिस्ट्री, पृ0 216

111. वही, पृ0 216–217

112. वही, पृ0 220–223

113. अर्थशास्त्र, 3.10

114. वही, 4.2

115. कोसम्बी, डी0डी0, पूर्वो0, पृ0 220

116. वही, पाद टिप्पणी–194

117. कोसम्बी, डी0डी0, प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, पृ0 188

118. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 146

119. शर्मा, आर0एस0, भारतीय सामन्तवाद, दिल्ली, 1973, पृ0 1

120. वही, पृ0 2

121. अर्थशास्त्र, 2.12

122. शर्मा, आर0एस0, पूर्वो0

123. अर्थशास्त्र, 3.13

124. शर्माा, आर0एस0, पूर्वो0, पृ0 159

125. वही

126. कोसम्बी, डी0डी0, पूर्वो0

127. अर्थशास्त्र, 2.1, 3.1, 3.13 अशोक ने भी दासों के प्रति काफी उदार दृष्टिकोण अपनाया है।

128. अर्थशास्त्र, 3.13

129. वही

130. वही

131. वही

132. थापर, रोमिला, अशोक एण्ड द डिक्लाइन ऑफ द मौर्याज, आक्सफोर्ड, 1989, पृ0 90

133. थार्ने, डेनियल, मार्क्स ऑन इण्डिया एण्ड एशियाटिक मोड ऑफ प्रोडक्शन' काण्ट्रीव्यूशन्स टू इण्डियन सोशियोलॉजी, नं0 9, 1966, पृ0 33–46

134. थार्ने, डेनियल, पूर्वो0

135. हिन्डेन, बैरी तथा हर्स्ट, पाल, क्यू0, पूर्वो0, पृ0 208

136. विस्तृत अध्ययन के लिए देखिए, विट फॉगेल कार्ल, ओरिण्टल डेस्पिाटिज्म, न्यू हैवेन, 1963

137. ओमप्रकाश, कन्सेप्चुअलाइजेशन एण्ड हिस्ट्री इन अर्ली इण्डियन सोशियो–इकोनामिक स्टडीज, पृ0 57, पाद टिप्पणी 19 तथा पृ0 11–14 एवं पृ0 50–51

138. कोसम्बी, डी0डी0, 'द बेसिस ऑफ इण्डियन डिस्ट्री0, जर्नल ऑफ अमेरिकन ओरियण्टल सोसाइटी, अंक 85, 1955, पृ0 35–45 तथा पृ0 226–237

139. वही

140. बी0एम0एस0 यादव, 'कलियुग के वर्णन और समाज का प्राचीन काल से मध्यकाल में संक्रमण', पृ0 86 पाद टिप्पणी 39

141. ओमप्रकाश, पूर्वो0, पृ0 48

142. सरकार, डी0सी0, सेलेक्ट इंस्क्रिप्शंस बियरिंग जॉन इण्डियन सिविलाइजेशन, जिल्द 1, कलकत्ता, 1965, पृ0 35

143. विटफॉगेल, कार्ल, पूर्वो0

144. शर्मा, आर0एस0, शूद्रों का प्राचीन इतिहास, पृ0 147

145. गोपाल, लल्लन जी, ''आर्गनाइजेशन ऑफ इण्डस्ट्रीज इन ऐश्येण्ट इण्डिया', जर्नल आफ इण्डियन हिस्ट्री, भाग 42, 1964, पृ0 888

146. अर्थशास्त्र, 5.3

147. कांग्ले, आर0पी0, पूर्वो0, पृ0 183

148. अर्थशास्त्र, 2.1

149. वही

150. सरकार, डी0सी0, 'नेचर ऑफ सम विष्णुकुण्डिन रिकाईस, इण्डियन हिस्ट्रारिकल रिव्यू, जिल्द 5, दिल्ली, 1979, पृ0 256

151. ओमप्रकाश तथा अन्य, पूर्वो0, पृ0 205–242

152. हिन्डेस, बेरी तथा हर्स्ट, पाल, क्यू0, पूर्वो0, पृ0 242–243

153. मनुस्मृति पर मेधातिथि, 8.416

154. याज्ञवल्क्य पर मिताक्षरा, 2.133–134

155. फिनले, एम0आई0, 'विटवीन स्लेवरी ऐण्ड फ्रीडम', कम्परेटिव स्टडीज इन हिस्ट्री ऐण्ड सोसाइटी, जिल्द 6, पृ0 233–249

156. साउथ इण्डियन इन्सक्रिप्शन, 17 संख्या 393

157. ए0आर0एस0आई0ई0 1918, बी–372

158. ए0आर0एस0आई0ई0 1927, संख्या सी–36

159. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन, 10 संख्या–130

160. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन, 10 संख्या–171

161. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन, 10 संख्या–177

162. नेल अभिलेख 1 अटमाकुर (25) 232

163. एपीग्राफिका कारनाटिका, 12 अध्याय–2

164. टी0ए0एस0, 5 संख्या–21

165. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन IV संख्या–209

166. ए0आर0एस0आई0ई0, 1915 संख्या–बी–179

167. ए0आर0एस0आई0ई0, 1918 संख्या–सी–29

168. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन 2 III संख्या–66

169. एपीग्राफिका इण्डिया, 6 संख्या–5

170. ए0आर0एस0आई0ई0 1941–42 संख्या–बी–242

171. ए0आर0एस0आई0ई0 1928–29 संख्या–बी–26

172. वी0 यशोदा देवी जे0ए0एच0आर0एस0, 26 पृ0–61

173. ए0आर0एस0आई0ई0 1935–36 संख्या–बी–190

174. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन 10 संख्या–115

175. ए0आर0एस0आई0ई0 1923 संख्या–बी–831

176. साउथ इण्डियन इन्शक्रिप्शन 10 संख्या–110

177. ए0आर0एस0आई0ई0 1925 संख्या–बी–171

178. ऋग्वेद, V, 36; VI, 22, 10; X, 34,4

179. जातक,I, 224, 299, VI, 285, 546; etc.

180. जिओग्राफिका XIV, 5-2; वाइड 'मान वाइलेंस इन द लेट रोमन रिपब्लिक ,ट्वीटन, पृ.12

181. पेरिप्लस ऑफ एरिथ्रियन सी, संपा. स्काफ, एच0 डब्ल्यू. नई दिल्ली, 1974 पृ.34,36,48

182. एथेनियस डिप्नोस्फिस्टो IV, 4,6 और V, 2, 39 यलिन्सन, सी0एफ. इन्टरकोर्स बिटविन इंडिया द वेस्टर्न वर्ल्ड, कैम्ब्रिज, 1469,पृ.93

183. पेरिप्लस, 31, 34, 35, 36, 49

184. मुखर्जी, एस0 सम आस्पैक्ट ऑफ सोशल लाइफ इन एंशिएन्ट इण्डिया, इला0 1976, पृ0 175।

185. डायजेस्ट ऑफ रोमन लॉज, XXXIX, 5,7 वाइड ट्रेड एण्ड कामर्स ऑफ एंशिएन्ट इंडिया, पृ0 213

186. मजूमदार, आर0सी0, सुवर्णद्वीप, भाग–II कलकत्ता, 1938, पृ0–34, 37

187. मैती एस0 के0 द इकोनॉमिक लाइफ ऑफ नादर्र इण्डिया इन गुप्ता पीरियड वाराणसी 1970, पृ0 181।

188. हिस्ट्री नेचर, VI, 23 उद्घत आयंगर के0बी0आर0, आस्पैक्ट ऑफ इण्डियन इकोनामिक थॉट, वाराणसी, 1965 पृ0–87।

189. शर्मा आर0एस0, इंडियन फ्यूडलिज्म।

190. एम.बी.एच IV,33,59–60; पूना,1933 जातक–III, 147; IV, 220: V, 497;VI, 220; अनु0 कावेल, कलकत्ता,1913

191. द न्यू इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका भाग.16, लंदन 1973–74, पृ.858 पोस्टन,एम.एम. मिडिवल हेड एण्ड फाइनेन्स, कैम्ब्रिज, 1973,पृ.132–33

192. लेखपद्धति संपा. दलाल, सी0डी और श्रीगोंडेकर, जी0के0, बदौदा,1925, पृ41–45

193. राजत रंगिणी, संपा विश्व बन्धु, होशियारपुर, 1965

194. सूरी,एच., समराइच्चकहा, पृ.91, संपा. मोदी,एम0सी अहमदाबाद, 1935

195. सिद्धार्सी अपमितिभवप्रपंचकथा, संपा पीटरसन, बी., कलकत्ता, 1899,पृ. 404–405

196. अनु. टावने, सी0एच0 कथाकोश, नई दिल्ली, 1975

197. सोमदेव, कथासरित्सागर, अनु. टावने(द ओसिमन ऑफ स्टोरिज) लंदन, 3,3–51

198. विद्या प्रकाश, खुजराहो, बाम्बे, 1976 अग्रवाल,बी. खुजराहो स्कल्पचर्स एण्ड देअर सिग्निफिकेन्स, दिल्ली,1964

199. दशरूपक ऑफ धनंजय नैष्धचरिन ऑफ श्रीहर्ष आदि

200. यादव, सोसायटी एण्ड कल्चर इन नादर्न इंडिया इन ट्वेलफ्थ सेन्चुरी, पृ.327

201. देसाई, पूर्वोक्त पृ. 39–40

202. यादव, पूर्योक्त, पृ.329

203. पोस्टन, एम0एम0, मिडिवल टेण्ड एण्ड फाइनेन्स, कैम्ब्रिज, 1973, पृ.306

204. मिताक्षरा,36 उपमितिभ्वप्रपंचकथा, पृ.404

205. सूरि,यू0 कुवलयमालाकहा, पृ.46

206. पूर्वोक्त 157

207. VII 3,3–51

208. इलियट ऑफ डाइसन, पृ.50,124,161–62,267,298–99

209. पूर्वोक्त, पृ.89

210. पूर्वोक्त,पृ.404, उल्लिखित द्वारा शर्मा. डी0, चौहान सम्राट पृथ्वीराज तृतीय और उनका युग, पृ.74

211. पूर्वोक्त, 102

212. पूर्वोक्त, शर्मा डी0, पृ.44–45

213. पूर्वोक्त, पृ.74

214. इलियट और डाउसन, पृ.118, भाग पृ.118, पृ.196

215. मनु पर मेधातिथि टीका, भाग पृ.415

216. लेखपद्धिति, पृ. 44–45; उद्धृत द्वारा ए0 के0 मजूमदार, चालुक्य ऑफ द गुजरात, बाम्बे, 1956 पृ. 345–49

217. त्रिशष्टिशलाकापुरूष चरित्र, भाग, बड़ौदा, 1949, पृ.248

218. अर्थशास्त्र, 13, कात्यायन, 728, जातक,225,451

219. मनु पर मेधानिधि टीका, 143

220. पूर्वोक्त, पृ.89

221. पूर्वोक्त, 44–45

222. पूर्वोक्त, 44–45,47

223. लेखपद्धति में शादी के लिए दासी के बेचे जाने का आख्यान मिलता है

224. अशरफ, के0एम0, पृ.188

225. अग्रवाल बी0 एस0, 'ए कल्चरल नोट कुवलयमालाकथा

226. सूरी.यू0, कुवलयमालाकथा, पृ.46,परिवर्द्धित मोनी चन्द्रा, सार्थवाहा, पटना, 1966,पृ.199

227. ,भास्कराचार्य, लीलावती, हिन्दी अनु0 लेएचन, एल0, वाराणसी, 1976, पृ045

228. नं070. के0 ऑफ कोलारः परिवर्द्धित लायर, एस0 सुब्रमण्यम एन्शिएन्ट दकन, फर्नहिल, 1917, पृ.349,

229. ई0पी0 कार. वी0 आर्सीकेरे, 22—1188 ई0; 157—1154 ई0, उद्धृत द्वारा अप्पादोराई 'इकोनामिक कंडिशंस इन सदर्न इण्डिया (1000—1500), मद्रास, 1936, भाग, पृ.44

230. द इकोनामिक लाइफ ऑफ नादर्न इण्डिया, पृ.74

231. एपिग्राफिका कर्नाटिका, आर्सीकेरे 22(1188 ई0), 157 (1154 ई0)

232. पृ.89, गणितसारसंग्रहण

233. पूर्वोक्त, पृ.44

234. पूर्वोक्त, पृ.45

235. कथाकोश

236. कथासरित्सागर